म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-7

(विप्लव गायन व आश्रम का अनुमानित व्यय पाठाधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान 1 - (विप्लव गायन कविता आधारित)

उठो स्वदेश के लिए बने कराल काल तुम,
जागो विराट देश के तरुण तुम्हें निहारते।
जागो अचल, मचल, विफल, अरुण तुम्हें निहारते।
रक्त में उबाल हो, क्रोध की मशाल हो।
धड़कनें भड़क रही, जैसे कि भूचाल हो!!
माँ भारती पुकारती, कहां पे मेरे लाल हो !
यदि मेरा ख्याल हो, न द्वंद्व, न सवाल हो!!
रक्त से करो श्रृंगार, आंचल में मेरा लाल हो।
विजयी तुम्हारा भाल, शत्रु का कपाल हो।
उठो- उठो, बढ़ो- बढ़ो, बढ़ो- बढ़ो, बढ़े चलो।
लगा लो मृत्यु कंठ से, लौह में ढले चलो।

प्रश्न -1. तुम अपने विद्यालय में कब - कब रैली निकालते हो? किन्ही दो अवसरों के नाम लिखिए ।
प्रश्न -2. क्या तुम्हें जुलूस निकालना अच्छा लगता है और क्यों?

प्रश्न -3. अपने क्षेत्र के किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बताएं जो सामाजिक बदलाव के लिए आवाज़ उठाता है?

प्रश्न -4 . सेना की एक टुकड़ी में 225 सैनिक हैं। उनमें से 59 सैनिकों को आपदा राहत के लिए भेज दिया और 9 सैनिक छुट्टी पर चले गए। बताओ टुकड़ी में कितने सैनिक बचे?

प्रश्न -5. 48 छात्रों का एक दल विद्यालय से जुलूस निकालने के लिए निकला। नियत समय पर 40 छात्र
विद्यालय परिसर में पहुंच गए। बताओ बाकी कितने % छात्र नहीं पहुंचे?

- मंजू रानी (हिंदी अध्यापिका), रा. व. मा. विद्यालय समालहेड़ी, साहा, अंबाला

प्रतिमान 2 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

निम्नवर्गीय पारिवारिक बजट

नाम — बाबू लाल

व्यवसाय — कनोहर लाल कन्या महाविद्यालय में चपरासी

पारिवारिक सदस्य — पति-पत्नी, एक लड़का व एक लड़की

पारिवारिक आय — ₹ 4800 मासिक

बजट की अवधि — मासिक—अगस्त, 2018

निम्नलिखित तालिका उपर्युक्त बजट की रूपरेखा प्रदर्शित करती है—

क्र०सं०	व्यय की मद	अनुमानित व्यय (₹)	कुल व्यय (₹)	व्यय का प्रतिशत
1.	भोजन (अनाज, दालें, सब्जी, फल, दूध, घी व तेल आदि)	2400	2400	50
2.	वस्त्र (पहनने, ओढ़ने व बिछाने के तथा इनका रख- रखाव)	480	480	10
3.	आवासीय किराया	720	720	15
4.	प्रकाश व ईंधन (बिजली का बिल, मिट्टी का तेल, कुकिंग गैस आदि)	288	288	6
5.	शिक्षा एवं स्वास्थ्य	384	384	8
6.	मनोरंजन	96	96	2
7.	निजी व्यय	144	144	3
8.	बचत	288	288	6
		4800	4800	100

1. उपरोक्त सूचना के आधार पर बाबूलाल के परिवार के प्रत्येक सदस्य के हिस्से अगस्त में कितने रूपये आएंगे ?
2. ऊपर दी गयी तालिका के अनुसार बाबूलाल का 10 महीने का किराया कितना होगा ?
3. तालिका में भोजन मद में लिखी हुई आहार संबंधी सामग्री में सबसे ज्यादा प्रोटीन किसमें होता है ?
4. यदि बाबूलाल की मासिक आय बढ़कर 8000 हो जाए तो आपके अनुसार उसे किस मद में खर्चा ज्यादा करना चाहिए ?

5. नीचे दिये गए ग्राफ पर उपरोक्त तालिका में दी गई सूचना के आधार पर मदों के नाम लिखो। उदाहरण के लिए पहला तथा दूसरा आपके लिए लिख दिया गया है।

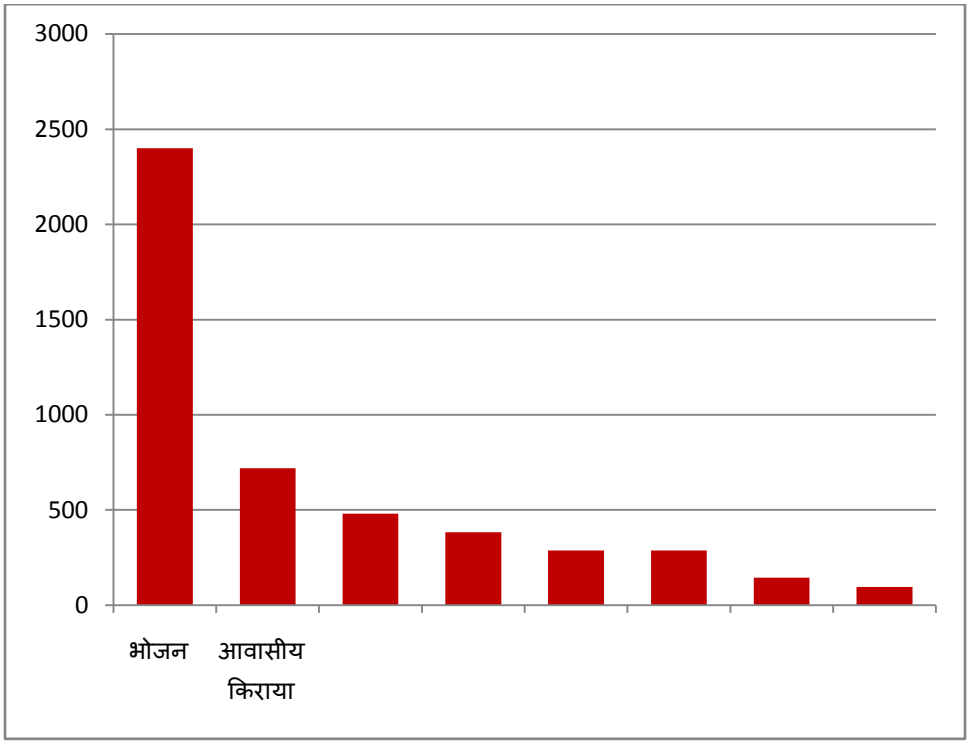

- चेतना जाठोल , बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक मातनहेल, झज्जर।

प्रतिमान 3 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

बच्चे आंगन में पड़े रेत के ढेर पर बैठे अपने पैरों पर रेत लादकर घरौंदे बनाकर खेल रहे थे और विभिन्न प्रकार से अपने घर को सजाने में लगे थे। पापा प्रताप पीछे छुपकर ये सारा कौतुक देखकर प्रसन्न हो रहे थे। अचानक बच्चों ने उन्हें देख लिया। बच्चे पापा को देखकर झेंप गए। प्रताप ने बच्चों के सामने आकर पूछा,''क्या चल रहा था ये सब?''
''पापा हम घर बनाकर खेल रहे थे।'' बच्चों ने चहकते हुए कहा। प्रताप ने बच्चों के खेल में शामिल होते हुए कहा,''चलो आज बड़ा सा घरौंदा बनाना सीखते हैं। हमें घर बनाने के लिए सबसे पहले जमीन की जरूरत होती है। लगभग 50 मीटर लम्बी और 40 मीटर चौड़ी जगह में एक सामान्य आकर का मकान बन जाता है। इसके बाद ईंट, सीमेंट, सरिया और खिड़की दरवाजे के लिए लकड़ी चाहिए होती है। एक आदर्श घर में एक कमरा बैठक के लिए, कम से कम दो कमरे सोने के लिए, एक पढ़ने–लिखने के लिए और एक रसोई के लिए होना बहुत जरूरी है। घर में सुविधा अनुसार स्नानघर एवं शौचालय का होना भी बहुत जरूरी है। घर बनाते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि सूर्य की किरणें और प्रकाश पूरी तरह पहुंच सके क्योंकि कहा गया है कि जिस घर में सूर्य की किरणें नहीं आती वहां डॉक्टर आता है तो ऐसे बनता है हमारे सपनों का घरौंदा।''
बच्चे बड़े ध्यान से सुन रहे थे। प्रताप ने बच्चों से पूछा कि क्या अब वे घर बनाने की कला जान चुके हैं। बच्चे सुर में सुर मिलाकर बोले, बहुत अच्छी तरह पापा।''

प्रश्नः– 1. आपके स्कूल में कौन–कौन से खेल खेले जाते हैं ? आपकी रूचि कौन से खेल में है ?

प्रश्नः– 2. प्रताप ने मकान बनाने के लिए 50 मीटर लम्बाई और 40 मीटर चौड़ाई की जगह का चयन किया। इस जगह का कुल क्षेत्रफल कितना होगा?

प्रश्नः– 3.मकान बनाने के लिए 25000 ईंटों की आवश्यकता है। अगर एक हजार ईंटों की कीमत 4500 रुपये है तो आवश्यक ईंटों के लिए कितनी राशि की आवश्यकता होगी?

प्रश्नः– 4.घर मे सूर्य की किरणों का पहुँचना क्यों आवश्यक होता है ?

प्रश्नः– 5.'सुर में सुर मिलाना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो।

प्रश्नः– 6.गद्यांश में आए पाँच संज्ञा शब्द चुनकर लिखो।

- **अरुण कैहरबा**, प्रवक्ता, रा. उ. विद्यालय कारेरा खुर्द, जगाधरी यमुनानगर

प्रतिमान 4 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

बहुत से व्यक्ति कमाते तो ज्यादा हैं पर खर्च करने के सम्बन्ध में बड़े अदूरदर्शी होते हैं। जो आता है वही अस्त–व्यस्त तरीके से फूँक देते हैं और आये दिन अभावग्रस्त एवं कर्जदार बने रहते हैं। वे पैसे का मूल्य नहीं समझते, उसे खिलवाड़ जैसी कोई चीज समझते हैं, कि लोग हमें जितना अधिक खर्च करते देखेंगे। उतना ही अमीर या बड़ा आदमी मानेंगे और उतना सम्मान करेंगे। अनावश्यक रूप से हाथ खुला रखकर यदि पैसा उड़ाया जाये तो कुबेर का खजाना भी खाली हो सकता है यदि कितने ही बड़े बर्तन में कितना ही पानी क्यों न भरा हो, तली का एक छोटा छेद कुछ ही समय में उसे खाली कर देने के लिए पर्याप्त है।

बिना सोचे–समझे, पैसा किस प्रकार, किस काम में कितना खर्च किया जाता है? उसको पूरा जान लेने पर ही किसी की बुद्धिमत्ता का स्तर परखा जा सकता है। अपव्यय सबसे बड़ी मूर्खता है। अपनी हैसियत, औकात, आमदनी और आवश्यकता का ध्यान रखे बिना जो अनावश्यक खर्च किया जाता है। इन दिनों उचित और आवश्यक स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय आदि कार्यों के लिए ढेरों पैसा लगता है। अन्न, वस्त्र, मकान की जरूरतें बहुत सारा पैसा माँगती हैं। जब तक कुरीतियों का उन्मूलन न हो जाये, जब तक विवाह–शादी, चाल–चलन, पर्व–त्योहार आदि पर भी पैसा खर्च करना ही पड़ेगा। यदि बेकार में खर्चा करने की आदत पड़ गई है और पैसों को कागज का टुकड़ा समझकर ज्यों–त्यों उड़ा दिया जाता है, तो समय पर अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए हाथ खाली रहेगा और उसमें खेदपूर्वक कटौती करनी पड़ेगी।

कौशल एवम् सृजनात्मक प्रश्न उत्तर लिखिए।

1. फिजूलखर्ची किस प्रकार परिवार के विकास के लिए अवरोध है?
2. आम आदमी कर्जदार क्यों बनता जा रहा है ?

3 . 'हाथ पर हाथ रखकर बैठना' मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए?

4 . एक आदमी 1200 रुपये में से 350 खाने पर, 250 शिक्षा पर और 150 रुपये चिकित्सा पर खर्च करता है तो बताओ उसके पास शेष कितने रुपये बचें हैं?

5 . मूलधन 2000 रुपये का 2 : की दर से 2 वर्ष का साधारण ब्याज ज्ञात कीजिए ।

- **रविन्द्र कुमार, प्रवक्ता, रा. व. मा. विद्यालय कालावर, सरस्वती नगर**

प्रतिमान 5 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

चंद्रगुप्त मौर्य के गुरू और प्रधानमंत्री चाणक्य एक झोपड़ी में रहते थे। एक दिन एक मेहमान उनसे मिलने पहुँचा । चाणक्य एक दीये की रोशनी में बैठे कुछ लिख रहे थे।. मेहमान के पहुंचने पर उन्होंने वह दीया बुझा दिया और एक दूसरा दीया जलाकर मेहमान से बातचीत करने लगे। हैरत में आए मेहमान ने थोड़ी देर बाद इसका कारण पूछा। चाणक्य ने बताया कि पहले वाले दीये में तेल सरकारी खर्चे में से डाला गया था। उसकी रोशनी में वे सरकारी काम कर रहे थे। आगंतुक उनका निजी मेहमान था इसलिए उन्होंने दूसरा दीया जला लिया , जिसमें उनके पैसे से लाया गया तेल डाला गया था। संदेश यह था कि शासक को सरकारी और निजी खर्च में अंतर न सिर्फ समझना चाहिए बल्कि करना भी चाहिए ।सदियों पुराना यह किस्सा कितना सच है कितना नहीं कहना मुश्किल है। लेकिन एपीजे अब्दुल कलाम से जुड़े ऐसे कई किस्से लोगों की स्मृतियों में हैं। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने इन किस्सों को अपने सामने घटते देखा।

एक बार कलाम के कुछ रिश्तेदार उनसे मिलने राष्ट्रपति भवन आए।. कुल 50-60 लोग थे।. स्टेशन से सब को राष्ट्रपति भवन लाया गया जहाँ उनका कुछ दिन ठहरने का कार्यक्रम था। उनके आने-जाने और रहने-खाने का सारा खर्च कलाम ने अपनी जेब से दिया।संबंधित अधिकारियों को साफ निर्देश था कि इन मेहमानों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी। यह भी कि रिश्तेदारों के राष्ट्रपति भवन में रहने और खाने-पीने के सारे खर्च का ब्यौरा अलग से रखा जाएगा और इसका भुगतान राष्ट्रपति के नहीं बल्कि कलाम के निजी खाते से होगा।एक हफ्ते में इन रिश्तेदारों पर हुआ 354922 रुपये का कुल खर्च देश के राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने अपनी जेब से भरा था।है।दरअसल आज के दौर में जब जनसेवकों का एक बड़ा वर्ग राजा जैसा व्यवहार करता दिखने लगा है , कलाम ने सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की कई अनुकरणीय मिसालें छोड़ी हैं। ये प्रेरणा भी हो सकती हैं और आईना भी।

1. चाणक्य जैसे महान व्यक्तियों ने कभी सरकारी सेवाओं एवं सुविधाओं का नाजायज फायदा नहीं उठाया। इतिहास से कुछ ऐसे ही अन्य महान व्यक्तियों के उदाहरण दीजिए जिन्होंने सरकारी सेवकों का दुरुपयोग नहीं किया।

2. आसपास के वातावरण से उन प्रथाओं एवं परंपराओं का वर्णन कीजिए , जिसमें सरकारी सेवाओं का लगातार दुरुपयोग हो रहा है।

3. सरकार लगातार बढ़ रहे घाटे पर किस प्रकार से अंकुश लगा सकती है?

4. आम जनता को सरकारी सेवाओं का प्रयोग करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

5. सरकार अपने कर्मचारियों को पहले 400 रूपये यात्रा भत्ता प्रतिदिन देती थी, जिसे 5 साल बाद बढ़ाकर 600 रूपये प्रति व्यक्ति प्रतिदिन कर दिया गया।सरकार ने यात्रा भत्ते में कितनी प्रतिशत वृद्धि की?

- **डॉ० अजय सिंह ,** प्रवक्ता, **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम (हिसार)**

प्रतिमान 6 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

कन्हैया अपना गाँव छोड़कर दूसरे गाँव में बस गया था ।उसने गाँव में पहले पहल अपने संबंध स्थापित किए और भाईचारे में उठने- बैठने लगा । गाँव वाले भी उसके व्यवहार से प्रसन्न थे और उसका मान- सम्मान करने लगे थे। घीसू चाचा! ओ घीसू चाचा!जोर- जोर से कन्हैया का लड़का रामू आवाज लगा रहा था। घीसू कपड़े पहनते हुए बाहर आकर बोला-रामू क्या बात है?क्यों गले को फाड -फाड कर चिल्ला रहा है? "चाचा मेरी माँ की तबीयत खराब है ,उसे डॉक्टर के पास ले जाना है। " कहीं से एक छोटा - सा सांप आकर रामू की माँ को डस गया था। घीसू ने फटाफट ऊँट गाड़ी मंगवा कर पास ही के वैदय से दवा दिलवाई। कुछ दिनों बाद वह ठीक हो गई ।कन्हैया ने सोचा कि कच्ची झोपड़ी में तो इस प्रकार से साँप - बिच्छू आते ही रहेंगे , इसलिए उसने एक पक्का मकान बनाने की सोची । उसने राज मिस्त्री से बात करते हुए अनुमानित व्यय का हिसाब लगाया । कुल मिलाकर कोई डेढ़-दो लाख रूपये का खर्चा था।कन्हैया भारी मन से धीरे-धीरे चलता हुआ घर आकर चुपचाप चारपाई पर बैठ गया। बहुत सोच विचार के बाद उसने कड़ी मेहनत करने की ठानकर खेतों में दिन -रात काम करने लगा। सर्दी-गर्मी की परवाह भी नहीं की। कन्हैया की मेहनत रंग लाई और इस वर्ष अनाज दो गुना पैदा हुआ ।अनाज बेचकर वह घर बनाने के लिए आवश्यक सामग्री ले आया और अगले ही दिन राज मिस्त्री को मकान निर्माण कार्य में लगा दिया। इतना ही नहीं घर के लिए आवश्यक सामग्री जैसे बर्तन ,कपड़े , चप्पल-जूते भी खरीदे। कुछ ही महीनों में घर बनकर तैयार हो गया और कन्हैया अपने परिवार के साथ सुख से रहने लगा।

1. भाई-चारा क्या होता है?
2.अगर आपको किसी नई जगह बसेरा करना पड़े तो आप कैसे करेंगे?
3. पक्के मकान की अपेक्षा कच्ची झोपड़ी में सांप बिच्छू अधिक आने की संभावना होती है ।क्यों ?
4.अपने घर के सामान की सूची बनाएं।

5. अगर कन्हैया दो लाख रूपये , 2 रूपये प्रति सैकड़ा मासिक के हिसाब से ब्याज पर लेता है, तो उसे 3 वर्ष 6 महीने 15 दिन में कुल कितने रुपए वापस देने होंगे ?

- डॉ० हरीश कुमार, प्रवक्ता, **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान** बिरही कलां चरखी दादरी।

प्रतिमान 7 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

<u>कैंप के दौरान कक्षा 7वी के विद्यार्थी तथा गुरुजनों के मध्य संवाद</u>

अध्यापक : बच्चो इन तम्बुओं को ठीक से लगाना। हम यहाँ पाँच दिन रुकेंगे।

छात्र : जी गुरु जी।

अध्यापक : तुम सभी इस कार्य को भली-भांति कर लोगे न ?

छात्र : जी हाँ, गुरु जी।

अध्यापक : बच्चो, हम तीन अध्यापक और 17 छात्र हैं। हम इस कैंप में कुल 20 व्यक्ति आये हैं । आप में से 4 बच्चे राशन लेने जाएंगे।

छात्र पंकज : गुरु जी, क्या मैं अपने साथ सुरेश , देवेश और आशीष को राशन लेने के लिए लेकर जा सकता हूँ ?

अध्यापक : हाँ , तुम उनको लेकर जा सकते हो। सुनो, जब तुम राशन लेने जाओगे तो सारा सामान ठीक से लेकर आना है। सामान साफ़-सुथरा लाना है और आवश्यकता से अधिक नहीं लाना।

छात्र पंकज : गुरु जी सामान कितना लाएं ?

अध्यापक : हाँ पंकज, ये तुमने सही सवाल पूछा है। देखो हम 20 लोग हैं। हमें प्रत्येक व्यक्ति के भोजन पर एक दिन के 200 रूपए मिले हैं।

हमें उसी हिसाब से सामान लाना है।

छात्र पंकज : तो गुरु जी , आप हमारे साथ गणित के अध्यापक , राजेश गुरु जी को भी अवश्य भेजना।

अध्यापक : ठीक है , वो तुम्हें सारा समझा देंगे।

छात्र पंकज : (समीप खड़े गणित अध्यापक राजेश की ओर संकेत करते हुए) गुरु जी आप हमारे साथ चलोगे न ?

अध्यापक राजेश : हाँ पंकज , मैं तुम्हारे साथ अवश्य चलूँगा। मैं तुम्हे सामान की खरीदारी करना भी सिखाऊंगा।

प्रश्न-१ पंकज ने अपने साथ किन छात्रों को ले जाने के लिए कहा ?

प्रश्न-२ राजेश अध्यापक किस विषय से सम्बन्ध रखते थे ?

प्रश्न-३ प्रति व्यक्ति भोजन पर एक दिन का कितना खर्च दिया गया था ?

प्रश्न-४ यदि एक व्यक्ति का भोजन बनाने में 100 ग्राम दाल तथा 500 ग्राम आटा लगता है , तो बताओ की एक दिन में उन सभी के खाना बनाने में कितनी दाल और कितना आटा लगेगा ?

प्रश्न-५ अध्यापक और चारों बच्चे राशन लेने के लिए ऑटो से गए। यदि एक व्यक्ति का एक तरफ का किराया 8.50 रूपए लगता हो तो उन सबके आने और जाने में कुल कितने रूपए खर्च होंगे ?

- डॉ. स्वीटी चहल, प्रवक्ता, रा. व. मा. वि. सैक्टर 4-7 गुरूग्राम।

प्रतिमान 8 - (आश्रम का अनुमानित व्यय आधारित)

गाँव में सरपंच साहब बहुत ही चिंतित मुद्रा में बैठे हुए थे | विक्रम उनका चिंतित चेहरा देखकर रुक गया | पास जा कर बोला कोई समस्या है क्या ? सरपंच ने, हाँ में सिर हिला दिया | विक्रम ने कहा – क्या है , बताओ तो सही ? सरपंच ने कहा कि गाँव में एक सामुदायिक भवन की बहुत आवश्यकता है | समस्या यह है कि इसके निर्माण और रख - रखाव के लिए संसाधन नहीं हैं | विक्रम ने कहा कि क्यों न इस विषय पर पंचायत में चर्चा की जाए ? सरपंच साहब सहमत हो गए | तय तिथि पर पंचायत के सभी सदस्य और गाँव के गणमान्य सदस्य सरपंच के घर पर एकत्रित हुए और चर्चा शुरू हुई | सबसे पहले सामुदायिक भवन के निर्माण पर चर्चा की गई | जमीन तो पंचायत के पास थी तथा सभी गाँववासी इस पर सहमत भी थे | अब बारी आई निर्माण की लागत की | ईंट, सीमेंट, सरिया आदि पर अनुमानित खर्च 4 लाख मान लिया गया तथा निर्माण की मजदूरी लगभग एक लाख आंकी गई | तय किया गया कि सरकार की तरफ से प्राप्त अनुदान की राशि को इसमें प्रयोग कर लिया जाए | किन्तु यह राशि तो कुल मिलाकर 3 लाख 28 हजार ही थी | तभी किसी ने कहा कि पंचायती भूमि से होने वाली आमदनी का उपयोग भी किया जा सकता है | हिसाब लगाया गया तो यह राशि एक लाख 22 हजार निकली | यानि अब भी निर्माण की अनुमानित लागत का पूरा इंतजाम नहीं हो पाया था | कुछ देर विचार -विमर्श के बाद सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया कि शेष राशि गाँव के सभी परिवारों से दान स्वरुप प्राप्त की जाए |

निर्माण की लागत का इंतजाम होने के बाद रख - रखाव के विषय को उठाया गया | इस पर ज्यादा बहस अथवा विचार विमर्श नहीं हुआ क्योंकि विपिन का सुझाव सबको बहुत ही पसंद आया | विपिन के अनुसार सामुदायिक भवन के उपयोग के लिए एक शुल्क निर्धारित कर दिया जाए | इस प्रकार एकत्रित राशि को भवन के रख - रखाव तथा उसमे सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए प्रयोग किया जाएगा | पंचायत और ग्रामवासियों के इस प्रकार के सकारात्मक सहयोग के चलते भवन निर्माण और रख - रखाव से सम्बंधित सभी शंकाओं का समाधान हो चुका था | इसका संतोष सरपंच के चेहरे पर भी साफ़ देखा जा सकता था |

1. सामुदायिक भवन से आप क्या समझते हैं ?
2. लागत का अनुमान लगाने के क्या लाभ होते हैं ?

3. विक्रम अपना घर बनाना चाहता था | उसने इसके लिए दस लाख के खर्चे का अनुमान लगाया | इस खर्च में 7 लाख का सामान तथा 3 लाख मजदूरी के लिए रखे गए | बताइए-

(i) यदि मजदूरी में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो जाए तो वह सामान के खर्च में कितनी कटौती करे कि उसकी लागत 10 लाख ही रहे ?

4. क्या अनुमानित खर्च और वास्तविक खर्च कभी समान हो सकते हैं ? कारण बताइए |

5. अनुमानित लागत पता करने के लिए किस की आवश्यकता नहीं होती है ?

(i) निर्माण के लिए कच्चे माल का अनुमानित बाजार भाव

(ii) निर्माण में लगने वाली अनुमानित मजदूरी

(iii) निर्माण में लगने वाली सामग्री की मात्रा का अनुमान

(iv) निर्माण के लिए अनुमानित मुहूर्त

- जोगिन्दर सिंह , प्रवक्ता, रा. उ. वि. सिधनवा, बहल, भिवानी

प्रतिमान 9

1. किसानों द्वारा 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पर फसलों का पंजीकरण करना क्यों आवश्यक है?

2. 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' कार्यक्रम चलाने का सरकार का क्या उद्देश्य है?

3. खरीफ की फसलें कौन-कौन सी होती हैं?

4 .टोल फ्री नंबर क्या होता है? इसको कौन-कौन उपयोग कर सकता है?

5 .मनोज चावल का बीज 520 रुपये प्रति एकड़ खरीदता है। यदि इस बीज पर 10 प्रतिशत कर लगता हो तो मनोज का 6 एकड़ बीज का क्रय मूल्य ज्ञात कीजिए।

- डॉ॰ अजय सिंह ,प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम (हिसार)

प्रतिमान - 10

उपरोक्त चित्र में दी गई जानकारी पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें

1. मदर टेरेसा ने भारत के किस राज्य में काम शुरू किया ?
2. यदि मदर टेरेसा ने 87 वर्ष 10 दिन का जीवन जिया तो उनका जन्म किस वर्ष के किस दिन हुआ होगा?
   - क. 26 अगस्त 1910
   - ख. 15 सितंबर 1910
   - ग. 25 अगस्त 1911
   - घ. 1 सितंबर 1911
3. चित्र में लिखे हुए मदर टेरेसा को मिलने वाले पुरस्कारों में कौन से पुरस्कार भारत सरकार द्वारा दिये गए हैं ?

4. “ज़ख्म भरने वाले हाथ, प्रार्थना करने वाले होंठ से कहीं ज्यादा पवित्र हैं।” इस कथन से आप क्या समझते हैं ?
5. नीचे दो नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित हस्तियों के चित्र दिखाए गए हैं। इन दोनों के नाम बताएं।

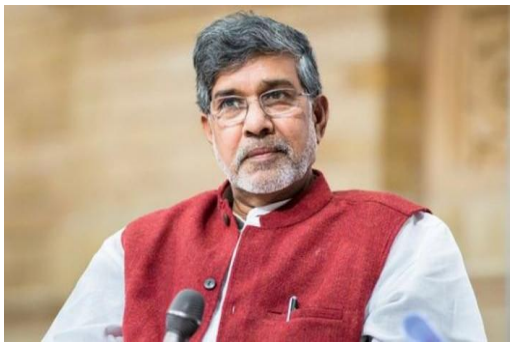

-

- चेतना जाठोल , बी.आर.पी हिंदी, ब्लाक मातनहेल, झज्जर।

<u>उत्तरमाला :</u>

प्रतिमान -1

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 -157

उत्तर-5 16.2%

प्रतिमान -2

उत्तर-1 -1200 रु

उत्तर-2 -7200 रू

उत्तर-3 - दाल में

उत्तर-4–शिक्षा

उत्तर-5- छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -3

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 2000 वर्ग मी.

उत्तर-3 112500

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 समर्थन करना

उत्तर-6 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -4

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 निठल्ला बैठना

उत्तर-4 -450 रु

उत्तर-5 80रु

प्रतिमान -5

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 -50%

प्रतिमान -6

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 170000

प्रतिमान -7

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 45000

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 अनुमानित मुहूर्त

प्रतिमान -8

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 200 रूपए

उत्तर-4 2 किलोग्राम दाल ,10 किलोग्राम आटा

उत्तर-5 85 रूपए

प्रतिमान -9

उत्तर-1 उत्पाद बेचने और योजनाओं का लाभ उठाने

उत्तर-2 किसान हित

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 3432 रु

प्रतिमान -10

उत्तर-1 कलकता

उत्तर-2 1910,26 अगस्त

उत्तर-3 भारत रत्न,पद्म श्री

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे